11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में माननीय राज्यपाल महोदय का संबोधन

(19 दिसम्बर 2022)

जय हिन्द!

11वीं अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के समापन समारोह में आप सभी के बीच आकर मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है।

सबसे पहले मैं आप सभी तीरंदाज खिलाड़ियों का देवभूमि उत्तराखंड में हार्दिक स्वागत करता हूँ।

साथ ही पिछले पांच दिनों से इस प्रतियोगिता में भाग लेकर विजय प्राप्त करने वाली टीमों को उनकी उपलब्धि के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

19 राज्यों 5 केन्द्रीय पुलिस संगठनों और 3 केन्द्र शासित प्रदेशों की कुल 27 टीमों से 316 खिलाड़ियों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया और इनमें से 120 महिला खिलाड़ियों ने भी अपनी तीरंदाजी कला का प्रदर्शन किया आप सभी को बहुत –बहुत शुभकामनाएं देता हूँ।

एक जोश और जज्बे के साथ आप सभी पुलिस के जवान **'तीरंदाजी जैसे प्राचीन युद्ध कला'** को जीवंत बना रहे हैं, यह देखकर मुझे हार्दिक प्रसन्नता हो रही है।

आपने देहरादून में आकर तीरंदाजी के महान आचार्य गुरू द्रोणाचार्य की भूमि पर आकर अपना हुनर दिखाया इस लिए मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूँ कि आपकी तीरंदाजी भी अर्जुन और एकलब्य के स्तर की होगी।

खेलों का मुख्य लक्ष्य अपनी कला का प्रदर्शन और अपने कौशल विकसित करना होता है।

तीरंदाजी इसी प्रकार की एक महान प्राचीन भारतीय कला है।

पुलिस और सैन्य कार्यों में तीरंदाजी का महत्वपूर्ण स्थान।

तीरंदाजी एक विशेष खेल है जिसमें योजना, एकाग्रता, अभ्यास और दृढ़ इच्छाशक्ति की बहुत बड़ी जरूरत होती है।

यही गुण किसी व्यक्ति को सफलता के लिए चाहिए होते हैं। इस लिए तीरंदाजी में सफलता का मतलब है जीवन में सफलता, युद्ध क्षेत्र में सफलता।

यह बुद्धि कौशल का खेल है। यह एकाग्रता और अभ्यास का खेल है।

कोई भी युद्ध रणनीति, एकाग्रता, अभ्यास, और कौशल के बल पर जीते जा सकते हैं।

हमारे प्राचीन ऋषियों ने कहा है – परिश्रम, साहस, धैर्य, बुद्धि, शक्ति, पराक्रम ये छः गुण हैं जो किसी भी जीत को सुनिश्चित करते हैं, तीरंदाजी भी हमें यही सिखाती है।

गुरू द्रोणाचार्य, अर्जुन और एकलव्य जैसे धनुर्धरों से सीख लेनी होगी। अर्जुन की तरह चिड़िया की आंख दिखाई दे। एकलव्य की तरह तीरों का संतुलन बने।

हमें यह याद रखना होगा कि हमारी कलाएं कितनी प्राचीन और कितनी महान थीं।

तीरंदाजी को पुलिस खेलों में वर्ष 2012 में जोड़ा गया और आपके द्वारा, पुलिस खेलों द्वारा इस विद्या को प्रोत्साहन दिया जा रहा है, इसके लिए मैं आप सभी को और पुलिस की इस अच्छी पहल के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ।

हमें आप सब पर गर्व है, आप भारत की एक प्राचीन युद्ध कला और महत्वपूर्ण विद्या को जीवंत बना रहे हैं।

देहरादून में इस प्रतियोगिता का आयोजन होना अपने आप में गर्व का विषय है।

आज के समय में हमारा देश हर दिशा में विकास की एक नयी कहानी लिख रहा है। खेलों में भी नये – नये कीर्तिमान बन रहे हैं।

हमारे खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सराहनीय प्रदर्शन कर रहे हैं।

उत्तराखण्ड में भी राज्य में खेलों को बढ़ावा दिया जा रहा है। कुछ वर्ष बाद हम उत्तराखण्ड में राष्ट्रीय खेलों का आयोजन करने वाले हैं। राज्य में नयी खेल नीति को लागू हुई है।

उत्तराखण्ड पुलिस विभाग की ओर से **11वें अखिल भारतीय पुलिस तीरंदाजी प्रतियोगिता के आयोजन किया गया है, इसके लिए** मैं उत्तराखण्ड प्रदेश के पुलिस महानिदेशक श्री अशोक कुमार जी को बधाई देता हूँ ।

आपने आयोजन को भव्य रूप दिया। कुशलता पूर्वक प्रतियोगिताओं को सम्पन किया।

आपके सहयोगी श्री अमित सिन्हा, श्री मुख्तार मोहसिन को भी बहुत बहुत बधाई देता हूँ। आपकी पूरी टीम को भी बधाई देता हूँ।

एक बार फिर देश के विभिन्न हिस्सों से आयी सभी टीमों को मैं हार्दिक बधाई देता हूँ, आपके प्रयत्नों की प्रसंशा करता हूँ।

लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। आप सभी को दिल की गहराई से शुभकामनाएं और बधाई देता हूँ।

जय हिन्द।